Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In June 2018

ग्लोबल सुपर कम्प्यूटिंग गुजवि में इसी सत्र से - प्रो. टंकेश्वर

गुजविप्रौवि हिसार को शोध व अनुसंधान के लिए मिले रूपए 50 करोड़

हिसार, 4 जून (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कर्मचारियों के लिए यह बहुत खुशी और प्रोत्साहन का क्षण है कि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शोध व अनुसंधान के लिए पचास करोड़ रुपए दिए गए हैं। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इस अनुदान को प्राप्त करने वाले देश के 16 विश्वविद्यालयों में सातवें स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान केंद्रों का प्रस्ताव दिया है जो स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, कृषि अनुप्रयोग, रोग निदान उपन्यास सामग्री आदि के लिए नैनो फॉर्मूलेशन जैसे क्षेत्रों में शोध व अनुसंधान के लिए प्रयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अंतरविषयिक कार्यात्मक सामग्री तथा अभिनव उपकरणों के लिए अंतरविषयिक केंद्र भी स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय इस बात पर भी जोर देगा कि यहां पर होने वाला अनुसंधान समाज व आम आदमी के लिए प्रासांगिक रहे। विश्वविद्यालय में उन्नत कंप्यूटर सिमुलेशन प्रयोगशाला स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले वैज्ञानिक क्षेत्रों, दीर्घकालिक लाभों और मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए सहयोग करने के इच्छुक विश्वविद्यालयों / सांझेदारों को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं की स्थापना करेगा। विश्वविद्यालय ने उपर्युक्त क्षेत्रों में कुछ समस्याओं की पहचान की है और राष्ट्रीय स्तर व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से योगदान दिया है। यह विश्वविद्यालय के हालिया विकास से स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय का एच इंडेक्स अत्यंत उच्च स्तर का है। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स जो 2009 -10 में केवल 17 था अब 73 पर पहुंच गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2000 से अधिक पत्र और 26000 से अधिक साइटेशन प्रकाशित हुए हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के सभी कर्मचारियों, सदस्यों और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के समन्वयक प्रो. नीरज दिलबागी को बधाई दी और यह भी व्यक्त किया कि उन्होंने उत्तरदायित्व दिया है क्योंकि अब हम अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के स्तर तक बढ़ रहे हैं।

पाठक पक्ष - 4-6-2018

शिक्षा में सुधार

देश के 16 विश्वविद्यालयों को मिला अनुदान, हरियाणा की पहली यूनिवर्सिटी बनी जीजेयू, जिसे अनुदान मिला

जीजेयू को शोध व अनुसंधान के लिए मिले 50 करोड़

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शोध और अनुसंधान के लिए 50 करोड़ रुपये का अनुदान दिया। इस अनुदान को प्राप्त करने वाले देश के 16 विश्वविद्यालयों में जीजेयू सातवें स्थान पर रहा। इस अनुसंधान को नैनो टेक्नोलॉजी, पर्यावरण, नई खोज से जुड़े अनुसंधान पर खर्च किया जाएगा। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि नैक की ओर से ए ग्रेड मान्यता प्राप्त और यूजीसी की ओर से स्वायत्तता हासिल करने वाले जीजेयू ने पिछले दिनों राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था।

विश्वविद्यालय ने अनुसंधान केंद्रों का प्रस्ताव दिया था। जो स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, कृषि अनुप्रयोग, रोग निदान उपन्यास सामग्री आदि के लिए नैनो फॉर्मूलेशन जैसे क्षेत्रों में शोध व अनुसंधान के लिए प्रयोग किया जाएगा। विश्वविद्यालय अंतरविषयिक कार्यात्मक सामग्री तथा अभिनव उपकरणों के लिए अंतरविषयिक केंद्र भी स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय इस बात पर भी जोर देगा कि यहां पर होने वाला अनुसंधान समाज व आम आदमी के लिए प्रासंगिक रहे। विश्वविद्यालय में उन्नत कंप्यूटर सिमुलेशन प्रयोगशाला स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले वैज्ञानिक क्षेत्रों, दीर्घकालिक लाभों और मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए सहयोग करने के इच्छुक विश्वविद्यालयों/साझेदारों को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं की स्थापना करेगा। विश्वविद्यालय ने उपर्युक्त क्षेत्रों में कुछ समस्याओं की पहचान की है। राष्ट्रीय स्तर व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से योगदान दिया है।

मीडिया से बातचीत करते हुए जीजेयू के कुलपति टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव डॉ. एके पुंडीर व अन्य। - अमर उजाला

ग्रामीण बच्चों को कराएंगे भ्रमण

कुलपति ने बताया कि ग्रामीण एरिया के बारहवीं के स्टूडेंट्स को जीजेयू का भ्रमण कराएंगे, जिसमें उन्हें यूनिवर्सिटी की लैब, कोर्स, उपलब्धियों के बारे में बताएंगे।

73 पर पहुंचा एच-इंडेक्स

यह विश्वविद्यालय के हालिया विकास से स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय का एच इंडेक्स अत्यंत उच्च स्तर का है। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स जो 2009-10 में केवल 17 था, अब 73 पर पहुंच गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2000 से अधिक पत्र और 26000 से अधिक साइटेशन प्रकाशित हुए हैं। पिछले साल विश्वविद्यालय को अनुसंधान के प्रचार के लिए डीएसटी नई दिल्ली द्वारा 10.25 करोड़ का अनुदान मिला है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान-1 कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय को बुनियादी ढांचे के तहत 20.46 करोड़ रुपये दिए गए थे। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के समन्वयक प्रो. नीरज दिलबागी के मार्गदर्शन में हुए अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए विश्वविद्यालय को शोध एवं नवाचार के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान-2 के तहत अनुदान प्राप्त हुआ है।

अमर उजाला - 5/06/2018

जीजेयू के कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग के 7 छात्रों को मिला प्लेसमेंट

हिसार, 10 जून (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित दो प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रमों में कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग विभाग के 7 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि सेल द्वारा स्विट्जरलैंड बेस्ड कंपनी ट्रैपीजी ग्रुप के लिए आयोजित ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विभाग के 10 प्रतिभागी विद्यार्थियों में से छात्र अभिनव जिंदल का चयन ट्रेनी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर हुआ है। कम्पनी द्वारा चयनित विद्यार्थी को 3.6 लाख का शुरुआती वार्षिक पैकेज दिया जायेगा। इसी कड़ी में मोहाली स्थित एक और आईटी कंपनी 75वेज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग विभाग के 6 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि कंपनी से सलोनी गुप्ता और लोकेश बंसल ने टेक्निकल व एच.आर. इंटरव्यू के बाद 35 विद्यार्थियों में से 6 का चयन किया है। चयनित विद्यार्थियों में फुरकान, ऋषभ सिंह, शुभम मित्तल, अजीत सिंह, पूजा और दीपक पाहुजा शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव डा अनिल कुमार पुंडीर ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष के 56 विद्यार्थियों का अभी तक 12 कंपनियों में प्लेसमेंट हो चुका है और अभी प्लेसमेंट प्रक्रिया जारी है।

पाठक पक्ष - 10-6-2018

सिलेबस में बदलाव

कॉलेजों में नये सेशन से केमिस्ट्री के 18 की बजाय होंगे 12 पेपर, स्किल इनहांसमेंट के 10 टॉपिक पढ़ाए जाएंगे

जीजेयू में केमिस्ट्री स्टूडेंट्स सीखेंगे शैंपू, नेल पॉलिश व पाउडर बनाना

जिस टॉपिक की थ्योरी होगी, उसी सिलेबस पर आयोजित होगा प्रैक्टिकल

भास्कर न्यूज | हिसार

केमिस्ट्री स्टूडेंट्स अब शैंपू, नेल पॉलिश, टेलकम पाउडर, नेल पॉलिश रिमूवर, सॉक्स के बारे में भी पढ़ेंगे। रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली इन चीजों के बनाने के तरीके भी जान सकेंगे। नये सेशन से कॉलेजों में केमिस्ट्री में स्किल इनहांसमेंट के लिए इन टॉपिक्स को जोड़ा गया है, वहीं कॉलेजों में केमिस्ट्री विषय के 18 की बजाय 12 पेपर होंगे। जीजेयू में चेयरपर्सन व कॉलेजों के केमिस्ट्री विषय के एक्सपर्ट्स की बैठक में सिलेबस में बदलाव का फैसला लिया। हालांकि काउंसिल की मुहर के बाद ही इसे कॉलेजों में लागू किया जा सकेगा। गौरतलब है कि हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट ने कॉलेजों में नये सेशन से च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू किया। जीजेयू भी अपने अंडर कॉलेजों में यह शुरू करने जा रहा है। केमिस्ट्री में स्किल इनहांसमेंट के 10 टॉपिक एड किए हैं, जो च्वाइस पर आधारित होंगे।

केमिस्ट्री में पहले एक सेमेस्टर में तीन पेपर होते थे, मगर अब दो ही पेपर होंगे। पहले वर्ष में फिजिकल, इन ऑर्गेनिक व ऑर्गेनिक नाम से तीन पेपर होते थे। लेकिन अब फिजिकल व इन ऑर्गेनिक के पेपर आयोजित होंगे। ऑर्गेनिक का पेपर सेकंड सेमेस्टर में आयोजित होगा।

एक सेमेस्टर में लगेंगे 60 पीरियड

केमिस्ट्री विषय के लिए चार क्रेडिट निर्धारित किए हैं। यानि कॉलेजों में एक सप्ताह के दौरान केमिस्ट्री की चार घंटे क्लासेज लगाना अनिवार्य होगा। कॉलेज सुविधानुसार 40 मिनट या एक घंटे का पीरियड लगा सकते हैं। केमिस्ट्री में क्रेडिट बेस्ड सिस्टम के अनुसार एक सेमेस्टर के दौरान थ्योरी व प्रैक्टिकल के 60-60 पीरियड लगाए जाएंगे। खास बात यह है कि अब थ्योरी व प्रैक्टिकल के लिए अलग सिलेबस नहीं होगा। जिस सिलेबस में थ्योरी होगी, प्रैक्टिकल भी उसी टॉपिक की होगी। पहले केमिस्ट्री में 90 के करीब पीरियड लगते थे।

सेमेस्टर वाइज सिलेबस में होगा बदलाव

केमिस्ट्री में प्रत्येक सेमेस्टर में सिलेबस में कुछ बदलाव किए गए हैं। केमिस्ट्री के चौथे सेमेस्टर में नये टॉपिक भी एड किए हैं। जिनमें डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव पेपर में 11 टॉपिक दिए हैं। इनमें एप्लीकेशन कंप्यूटर इन केमिस्ट्री, एनालिटिकल मैथड इन केमिस्ट्री, मॉलिक्यू मॉडलिंग एंड ड्रग डिजाइन, ऑर्गेनिक इन सॉलिड, पॉल्युमर केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री कोयला व धुंआ, इंडस्ट्रियल केमिकल आदि टॉपिक को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। पहले व दूसरे सेमेस्टर में एबिलिटी इनहांसमेंट कंपलसरी कोर्स पढ़ेंगे। स्किल इनहांसमेंट में च्वाइस के अनुसार स्टूडेंट टॉपिक ले सकते हैं।

ईसी की बैठक के बाद होंगे फाइनल

सिलेबस को चेंज करने की प्रक्रिया चल रही है। बोर्ड ऑफ स्टडीज के बाद एकेडमिक काउंसिल की बैठक में केमिस्ट्री सहित अन्य विषयों को लेकर बैठक होगी। इसके बाद इसे फाइनल कर कॉलेजों में लागू कर दिया जाएगा।" -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

ये होंगे नये टॉपिक

केमिस्ट्री में स्किल इनहांसमेंट व अन्य टॉपिक्स में क्लोराइड सल्फेट, टीडीएस टेटल डिजॉल्व सॉल्टस्, बेसिक एनालिटिकल केमिस्ट्री, केमिकल टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल, कॉस्मेटिक एंड परफ्यूम, पेट्रोलाइड, फ्यूल केमिस्ट्री, केमिस्ट्री इन कॉस्मेटिक एनालिसिस, डिटरजेंट को एनालाइज करने, टेलकम पाउडर, जेईटी, बेसिक एनालिस्ट केमिस्ट्री, एनालिसिस ऑफ वॉटर, फूड प्रोडक्ट एंड प्रीजरवेशन आदि टॉपिक्स को शामिल किया है।

हरिभूमि - 13-06-2018

प्रिंटिंग डिपार्टमेंट की सौ फीसद प्लेसमेंट गौरव का विषय : प्रो. टंकेश्वर कुमार

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम जीवन में चाहे जितने भी ऊंचे उठ जाए लेकिन मां-बाप के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। मां-बाप द्वारा अपने बच्चों को सफल बनाने के लिए असंख्य बलिदान दिए होते हैं। सफलता मिलने के बाद हमें अपने नैतिक मूल्यों व आदर्शों का परित्याग नहीं करना चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल व प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा 100 फीसद प्लेसमेंट को लेकर आयोजित किए गए विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व विभाग के अध्यक्ष प्रो. अम्बरीश पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के 100 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन होना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। निजी संस्थानों में चयनित विद्यार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड अम्बेस्डर बनकर कार्य करें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने सभी विद्यार्थियों से एल्युमनाई एसोसिएशन के सदस्य बनकर विश्वविद्यालय के साथ जुड़े रहने का आह्वान किया। प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अम्बरीश पांडे ने कहा कि बीटेक प्रिंटिंग और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। विभाग के शिक्षकों की मेहतन व विद्यार्थियों की लग्न से ही सभी विद्यार्थियों को रोजगार मिला है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि विभाग के 37 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। कंपनियों द्वारा 3.5 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज विद्यार्थियों को ऑफर किया गया है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित करते विद्यार्थी। • जागरण

दैनिक जागरण - 18/6/18

सेमिनार

28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन समारोह में बोले कुलपति

नई तकनीक से अपडेट रहें शिक्षक : प्रो. टंकेश्वर

■ शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं

आज समाज नेटवर्क

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। शिक्षक को प्रत्येक नई तकनीक से अपडेट रहना चाहिए तथा विद्यार्थियों को उससे सम्बन्धित जागरूक करना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-3 में चल रहे 28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। मंच संचालन डॉ. अनुराग सांगवान ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोधार्थी को शोध की अवधारण और प्रयोजन आवश्यकता, महत्व तथा क्षेत्र को समझना बहुत आवश्यक है। शोध के प्रकार, शोध की विधियां, शोध प्रक्रिया जैसे रूपरेखा, भूमिका, योजना तथा संदर्भिका, समस्या चयन व परिकल्पना को समझकर अपने शोध कार्यों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा चलाए जा रहे कोर्सों तथा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी व उनकी टीम को बधाई दी। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने स्वागत सम्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली शिक्षण के लिए जरूरी है कि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाए। वर्तमान दौर में शिक्षकों के लिए इस प्रकार के कोर्स बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में निरंतर बदलाव आ रहे हैं, एक शिक्षक को कैसे उसके अनुरूप बदलना चाहिए, कोर्स के दौरान विशेष सत्र में शिक्षकों को जानकारी दी गई। उन्होंने विश्वास वक्त किया कि यह कोर्स शिक्षकों के कौशल को विकसित करने में अह्म भूमिका अदा करेगा। प्रो. वन्दना पूनिया व डॉ. अनुराग सांगवान कोर्स समन्वयक रहे।

कोर्स समन्वयक डॉ. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कोर्स में 30 शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन भी किया गया। कोर्स के सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा कोर्स से सम्बन्धित अपने विचार रखे। मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा चलाए जा रहे कोर्सों में विशेष यागदान देने वाले कोर्स समन्वयक डॉ. अनुराग सांगवान को भी सम्मानित किया गया।

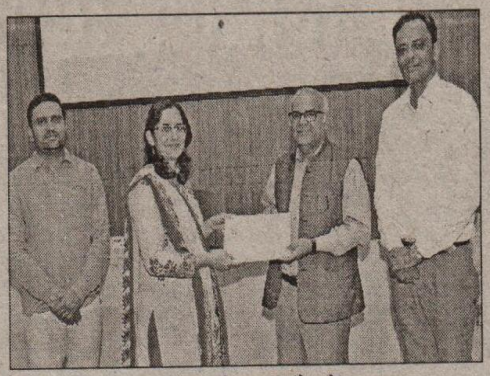

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आज समाज- 17/6/18

जीजेयू में भी अब सैनिकों की तरह कदमताल करेंगी छात्राएं, गर्ल्स एनसीसी शुरू

संदीप बिटनोई• हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में भी लड़कियां सैनिकों की तरह कदमताल करती नजर आएंगी। विश्वविद्यालय में पहली बार एनसीसी शुरू की जा रही है। गर्ल्स एनसीसी की एक ट्रुप के लिए अनुमति मिली है। यानी 54 छात्राओं की एक यूनिट इस वर्ष शुरू हो जाएगी। पहले वर्ष 18 छात्राओं का चयन एनसीसी के लिए किया जाएगा।

विश्वविद्यालय द्वारा गर्ल्स एनसीसी के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। जिसे थर्ड हरियाणा एनसीसी गर्ल्स बटालियन ने स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही इस बटालियन का डिविजन ऑफिस भी गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की बजाए अब गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में स्थापित हो गया है। फिलहाल विश्वविद्यालय के कैफेटेरिया भवन के ऊपर एनसीसी का ऑफिस बनाया गया है। विश्वविद्यालय में एनसीसी शुरू होने से विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाली छात्राओं को बेहद फायदा होगा।

विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया थर्ड हरियाणा एनसीसी गर्ल्स बटालियन का डिवीजन ऑफिस

18 छात्राओं का चयन पहले वर्ष एनसीसी के लिए किया जाएगा

ग्रेजुएशन प्रथम वर्ष की छात्राएं ले सकेंगी एनसीसी : थर्ड हरियाणा एनसीसी गर्ल्स बटालियन के कार्यवाहक कमान अधिकारी कर्नल डीवी नेहरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में सीनियर डिविजन शुरू की जा रही है। यह तीन वर्ष की होगी। जिसमें पहले वर्ष केवल ट्रेनिंग होगी। दूसरे वर्ष में ट्रेनिंग के साथ एक कैंप होगा और बी सर्टिफिकेट के लिए परीक्षा होगी। तीसरे वर्ष एक कैंप और सी सर्टिफिकेट के लिए परीक्षा होगी।

ए सर्टिफिकेट वाली छात्राओं को मिलेगी प्राथमिकता

एनसीसी में उन छात्राओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास ए सर्टिफिकेट (जूनियर डिविजन) होगा यानि स्कूल में जिनके पास एनसीसी रही होगी और ए सर्टिफिकेट पास किया होगा। इसके अलावा चयन में डिजिज नहीं होने के अलावा फिजिकल फिटनेस को जांचा जाएगा। इसके साथ ही मैंटिलिटी टेस्ट का आयोजन होगा, जिसके बाद एनसीसी में सलेक्शन होगा। उन्होंने बताया कि एनसीसी में ट्रैकिंग, माउंटेनिंग, साइकलएसपेडिशन जैसे कई रोमांचक खेल होते है, साथ ही पर्सनलिटी डेवलपमेंट के लिए रचनात्मक कार्य, वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां भी एनसीसी कैंपों में होती हैं।

एनसीसी से करियर की संभावनाएं

- राज्य और केंद्र सरकार की नियुक्तियों में एनसीसी कैडेट को प्राथमिकता मिलती है।
- पुलिस में भर्ती के समय बी सर्टिफिकेट के 2 और सी सर्टिफिकेट के 3 अंक अतिरिक्त मिलते हैं।
- एनसीसी का सी सर्टिफिकेट प्राप्त कैडेट्स के लिए इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आइएमए) में 64 सीटें रिजर्व होती हैं।
- एनसीसी बी या सी सर्टिफिकेट प्राप्त कैडेट्स को शॉर्ट सर्विस कमीशन में 'सीडीएस' की लिखित परीक्षा नहीं देनी पड़ती, सीधे इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- कई कॉर्पोरेट कंपनियां एनसीसी के सर्टिफिकेट धारी को अपने जॉब्स में प्राथमिकता देती हैं।
- आर्म्ड फोर्सेस और पैरामिलिट्री फोर्सेस में एनसीसी के सी सर्टिफिकेट वालों को विशेष छूट दी जाती है। कुछ सीटें रिजर्व होती हैं और परीक्षा नहीं देनी पड़ती।
- सेना में ऑफिसर्स बनने के लिए भी सी सर्टिफिकेट ए या बी ग्रेड से पास हो तो उन्हें सीधे साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है।
- पोस्ट ग्रेजुएशन में दाखिले के लिए भी एनसीसी कैडेट्स को प्राथमिकता मिलती है

थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन की हिसार डिविजन में करीब एक हजार गर्ल्स कैडेट्स हैं। जो 17 यूनिट्स में बंटी हुई है। ये यूनिट हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और सफीदों के स्कूल व कॉलेजों में हैं। इस बार हमने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में भी गर्ल्स एनसीसी शुरू की है। इससे छात्राओं को फायदा होगा।

– कर्नल डीवी नेहरा, कमान अधिकारी, थर्ड हरियाणा एनसीसी गर्ल्स बटालियन।

विश्वविद्यालय में गर्ल्स के लिए एनसीसी शुरू गई है। हम कोशिश कर रहे हैं कि बॉयज के लिए भी एक यूनिट शुरू की जाए, प्रस्ताव भेजा हुआ है। वहीं एनसीसी एयरविंग शुरू करने को लेकर भी हमारी बातचीत चल रही है। जल्द ही लड़कों के लिए भी एनसीसी शुरू हो जाएगी। एनसीसी से विद्यार्थियों में अनुशासन और एकता भावना आने के साथ साथ रचनात्मकता पैदा होगी।

– प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू, हिसार।

दैनिक जागरण- 18/6/18

---

2. मानव संसाधन विकास मंत्रालय का स्वच्छ भारत मिशन : पंचायत और एनजीओ भी जुड़ेंगे मिशन से, गांवों का दौरा कर कमेटी करेगी मॉनिटरिंग

जीजेयू 324 गांवों को शौच मुक्त बनाने को बस अड्डों के पास बनवाएगी टॉयलेट

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू अच्छी पहल की है। जीजेयू ने जिले के 324 गांवों में टॉयलेट बनवाने का फैसला लिया है। टॉयलेट हर गांवों के बस अड्डों के पास बनेगा। गांवों को शौच मुक्त बनाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन के तहत यह कार्य किया जाएगा। टॉयलेट की देखरेख के लिए कर्मचारियों का भी प्रबंध किया जाएगा। इसके लिए गांव के सरपंचों व एनजीओ को जोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के शिक्षण संस्थानों को जोड़ा था। एमएचआरडी ने जीजेयू को भी जिम्मेवारी सौंपी है।

हर गांव में टॉयलेट बनाने के लिए पंचायत से मिले बजट व स्वच्छ भारत मिशन के तहत आने वाले बजट व एनजीओ के साथ मिलकर इन कार्यों के लिए किया जाएगा। जीजेयू के कार्यक्रम में अभी मिर्जापुर व नंगथला के सरपंच जुड़े हैं।

जीजेयू ने पांच गांवों को लिया था गोद

जीजेयू ने करीब डेढ़ साल पहले पांच गांवों को गोद लिया था। इनमें देवा, नंगथला, बहबलपुर, सातरोड, मिर्जापुर शामिल थे। विवि ने मॉनिटरिंग के लिए पांच कॉर्डिनेटर रखे थे जो गांवों में जाकर मॉनिटरिंग करते थे। स्वच्छ भारत मिशन समर इंटर्नशिप ट्रेनिंग के तहत स्टूडेंट्स भी ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं। स्टूडेंट्स नुक्कड़ नाटक, स्किट के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए जागरूक कर रहे हैं।

गांवों में एंट्री गेट को चमकाया जाएगा

गांव के एंट्री गेट के आसपास से कूड़े के ढेरों को हटाया जाएगा। गांव की पंचायतों के साथ मिलकर किए जाएंगे। वहीं कूड़े-कर्कट को एक जगह एकत्रित कर खाद बनाई जाएगी। इसके लिए एनजीओ जीजेयू व पंचायतों के साथ मिलकर काम करेगी।

जुलाई के अंत तक जुड़ जाएंगे सभी गांव

जिले के सभी गांवों में टॉयलेट का निर्माण करवाया जाएगा। गांवों की पंचायतों व एनजीओ के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। जुलाई के अंत तक जिले के सरपंचों को इससे जोड़ दिया जाएगा।"

डॉ. राजीव कुमार, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 18/6/18

डिजिटल इंडिया: जीजेयू में 3 राज्यों के 53 लेक्चरर सीखेंगे टीचिंग की मॉडर्न टेक्नीक्स

21 जून से 12 जुलाई तक एमएचआरडी कराएगा रिफ्रेशर कोर्स

मोबाइल से ऑनलाइन लाइब्रेरी में बुक्स पढ़ने का तरीका जान पाएंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

आने वाले समय में स्टूडेंट्स एप बेस्ड स्टडी कर सकेंगे। इसके साथ-साथ स्टूडेंट्स रिसर्च व अन्य असाइनमेंट ऑनलाइन सबमिट कर सकेंगे। जीजेयू इसके लिए तीन सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स शुरू करेगा। इसमें देश के विभिन्न यूनिवर्सिटी व कॉलेजों के टीचर्स हिस्सा लेंगे। 21 जून से 12 जुलाई चल चलने वाले कोर्स के जरिये टीचर्स आधुनिक समय में स्टडी के लिए उपयोग होने वाली सभी टेक्नीक्स की "जानकारी हासिल कर सकेंगे।

इनमें चाहे मोबाइल एप्स पर स्टडी का तरीका हो या घर बैठे-बैठे मोबाइल से ऑनलाइन लाइब्रेरी में बुक्स पढ़ने का तरीका हो। इन सभी आधुनिक तरीकों के बारे में टीचर्स को जानकारी मिलेगी।

53 टीचर्स ने करवाया रजिस्ट्रेशन

जीजेयू ने इन्फोर्मेशन एंड कम्युनिकेशन रिफ्रेशर कोर्स के लिए हरियाणा, यूपी व पंजाब के शिक्षण संस्थानों से 53 टीचर्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। टीचर्स को ऑनलाइन तरीकों के बारे में जानकारी देने के लिए भी इन्हीं राज्यों से एक्सपर्ट जीजेयू में पहुंचेंगे। इन टीचर्स के रहने का प्रबंध जीजेयू की ओर से करवाया जाएगा। टीचर्स के रहने व खाने का प्रबंध फैकल्टी हाउस में करवाया गया है।

इनकी मिलेगी जानकारी

इस कोर्स में टीचर्स को रिसर्च, टीचिंग एवं डिजिटल इंडिया से जुड़े ऑनलाइन सब्जेक्ट के बारे में जानकारी दी जाएगी। एप बेस लर्निंग के माध्यम से टीचर्स को इंटरनेट के जरिए टॉपिक्स विलयर करने के टिप्स दिए जाएंगे। वीडियो बेस्ड लर्निंग जैसे आधुनिक तरीकों से टीचिंग को किस तरह से आसान बना सकते हैं। इनकी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा ऑनलाइन रिसोर्स, ऑनलाइन जनरल, ऑनलाइन मैनेजमेंट, ऑनलाइन लाइब्रेरी सर्विस की भी जानकारी दी जाएगी।

ये होगा फायदा

- इस कोर्स के जरिये ग्रांट लेने की जानकारी भी टीचर्स ऑनलाइन सीख सकेंगे।
- गूगल पेज पर ऑनलाइन असाइनमेंट्स के बारे में जानकारी हासिल कर पाएंगे।
- किताबें खरीदने की बजाय ऑनलाइन बुक्स पढ़ी जा सकेंगी।
- ऑनलाइन जर्नल्स अपलोड करने के बारे में भी जानकारी हासिल कर सकेंगे।
- अकाउंट मैनेजमेंट ऑनलाइन सिस्टम भी सीखेंगे।

जीजेयू में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के जरिए टीचर्स को आधुनिक टीचिंग के तरीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही स्टूडेंट्स को भी इनसे फायदा होगा। भविष्य में इसी तरह के अन्य कोर्सेज का शुरू किए जाएंगे।"
डॉ. नीरज दिलबागी, नोडल ऑफिसर, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर- 19/6/18

रोजगार मेले में पहुंचे 2500 आवेदक 508 का प्राथमिक तौर पर हुआ चयन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। उपायुक्त अशोक कुमार मीणा ने कहा कि युवाओं में उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल होना चाहिए, तभी वे रोजगार पाने में सफल हो पाएंगे। इसके लिए भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की आवश्यकता है।

डीसी अशोक कुमार मीणा बुधवार को जीजेयू में आयोजित जिला स्तरीय जॉब फेयर के शुभारंभ के अवसर पर विभिन्न कंपनियों से आए प्रतिनिधियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगों को चाहिए कि वे प्रशिक्षुओं को काम दें। उससे उन्हें दोहरा फायदा होगा। जहां बेरोजगार युवा संबंधित कौशल ग्रहण कर रोजगार पाने में सफल होंगे।

उद्योगों को उनकी जरूरत के अनुसार कौशलयुक्त कर्मचारी उपलब्ध होंगे। युवाओं को भी इसका लाभ उठाना चाहिए। सरकार के साथ-साथ निजी कंपनियों को भी सहयोग करना चाहिए। इस कार्यक्रम में जीजेयू व रोजगार कार्यालय का कार्य सराहनीय है। रोजगार मेलों का मुख्य उद्देश्य निजी कंपनियों व बेरोजगार युवाओं को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कौशलयुक्त युवा तैयार करने के लिए उद्योगों और सरकार को मिलकर कार्य करने की जरूरत है। बेरोजगारी भारत के लिए ही नहीं पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। विद्यार्थियों को दिए जा रहे रोजगार के साथ-साथ यह जानना भी बहुत आवश्यक है कि विश्विवद्यालय से कितने उद्यमी निकले तथा कितना इनोवेशन हुआ। विश्वविद्यालय कंपनियों के साथ मिलकर कार्य करने को तैयार है।

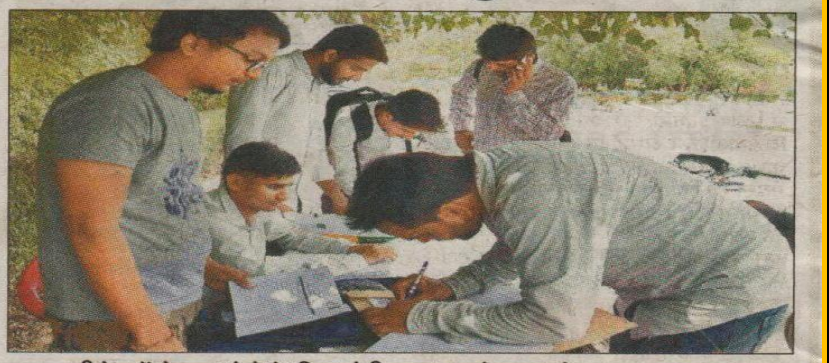

जीजेयू में रोजगार मेले के लिए पंजीकरण कराते हुए आवेदक। - अमर उजाला

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि जिला स्तरीय जॉब फेयर में 27 कंपनियों ने युवाओं का रोजगार के लिए साक्षात्कार लिया। जॉब फेयर में ऑटो इंडस्ट्री, फाइनेंस, अस्पताल, एजुकेशन सेंटर, सिक्योरिटी व मैनुफेक्चरिंग इंडस्ट्री बावल, धारूहेड़ा, हिसार, दिल्ली एनसीआर से जिंदल स्टील, जिंदल इंडस्ट्री, एचडीएफसी, एलआईसी, आदित्य बिरला, कोटक महेंद्रा, जी4 एस, मॉडर्न ऑटोमोबाइल्स, हिसार हुंडई, मलिक टोयोटा, पावर केयर, एचपी कॉटन मिल, हिसार मेटल इंडस्ट्री, जिंदल स्टील, महात्मा गांधी अस्पताल, आधार अस्पताल, कन्या गुरुकुल व एलआईसी सहित 32 कंपनियों ने भाग लिया। रोजगार मेले में 2500 युवाओं ने भाग लिया। विभिन्न कंपनियों की ओर से 508 प्रतिभागियों का प्राथमिक चयन किया गया। मंडल रोजगार अधिकारी डॉ. जेएल द्विवेदी ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों का फाइनल इंटरव्यू होगा। इसके बाद उनको जॉब ऑफर दिए जाएंगे।

अमर उजाला - 21-06-2018

पहल | "टर्नइटइन" कंपनी से टर्नइटइन सॉफ्टवेयर खरीदा, यह उसी डेटा की पहचान कर बता सकता है जो ऑनलाइन होगा

जीजेयू ने खरीदा सॉफ्टवेयर, रिसर्च स्कॉलर की पकड़ेगा कंटेंट चोरी

सुभाष चंद्र | हिसार

स्टूडेंट्स और टीचर्स अपने रिसर्च टॉपिक पर दुनिया में किसी भी ऑनलाइन कंटेंट को कॉपी नहीं कर पाएंगे। जीजेयू ने अमेरिका की "टर्नइटइन" कंपनी से टर्नइटइन सॉफ्टवेयर खरीदा है। इस सॉफ्टवेयर के जरिये किसी न्यू रिसर्च में इस बात का पता लगाया जा सकता है कि इसमें दिया गया डेटा किसी अन्य रिसर्च टॉपिक से लिया गया है। मात्र यह उसी डेटा की पहचान कर बता सकता है जो ऑनलाइन होगा। अन्यथा नहीं। इससे रिसर्च को कॉपीराइट से बचाया जा सकता है। गौरतलब है कि टर्नइटइन कंपनी की शुरुआत 1997 में अमेरिका में हुई थी। टर्नइटइन सॉफ्टवेयर में 5500 पेड वेंडर का रिसर्च से जुड़ा डेटा भी उपलब्ध है। इससे पूरी दुनिया में किसी भी टॉपिक की कॉपी की जाती है तो इस सॉफ्टवेयर से तुरंत पता लगाया जा सकता है।

5 लाख में खरीदे 25 लाइसेंस

जीजेयू ने टर्नइटइन कंपनी से सॉफ्टवेयर के 25 लाइसेंस खरीदे हैं। जिन्हें विवि के विभिन्न डिपार्टमेंट के चेयरपर्सन को प्रोवाइड करवाया गया है। सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के लिए चेयरपर्सन व टीचर्स की क्लास आईडी बनाई जाएगी। जिससे टीचर्स पीएचडी स्टूडेंट्स की रिसर्च में कॉपी किए गए कंटेंट को जांच सकते हैं।

विवि ने प्लेगारिज्म में दी है 10% छूट

जीजेयू के नियमानुसार प्लेगारिज्म जिसे हिंदी में साहित्य चोरी भी कहा जाता है। यानि डेटा कॉपी में रिसर्च स्कॉलर को 10 प्रतिशत छूट दी है। यानि किसी नये टॉपिक की रिसर्च में हम किसी अन्य टॉपिक का 10 प्रतिशत कंटेंट ही यूज कर सकते हैं। इससे अधिक कंटेंट यूज करने पर रिसर्च टॉपिक सॉफ्टवेयर की चेकिंग में कॉपीराइट के दायरे में आ जाएगा और इसे रिजेक्ट कर दिया जाएगा।

यू प्रयोग कर सकते हैं सॉफ्टवेयर

» टर्नइटइन को www.turnitin.com वेबसाइट पर लॉगइन करना होगा। वेबसाइट में यूजरनेम व पासवर्ड डालकर आईडी क्रिएट की जाती है। टीचर्स अपने डॉक्यूमेंट अपलोड करके किसी भी डॉक्यूमेंट की मौलिकता की जांच कर सकता है। हिंदी में साहित्यिक चोरी को रोकता है।

ये होंगे लाभ और बुकसाल

» टर्नइटइन से सबसे बड़ा लाभ ये होगा की मेधावी स्टूडेंट्स ही अपनी रिसर्च को पूरी कर पाएंगे। कॉपी के जरिये रिसर्च पूरी करने वाले स्टूडेंट्स के लिए इससे नुकसान भी है।

» जो भी रिसर्च स्टूडेंट उक्त करवाएंगे उनको टर्नइटइन से चेक किया जाएगा। उसके बाद ही स्टूडेंट्स के वाइवा व अन्य प्रोसेस पूरी होगी।

विवि ने सॉफ्टवेयर को खरीदा गया है। पीएचडी की सॉफ्टकॉपी अपलोड कर सकते हैं। उसमें कितना प्रतिशत मिलता है। विवि में यूजीसी के अनुसार प्लेगारिज्म पॉलिसी लागू की है। स्टूडेंट्स की राइटिंग स्किल्स इंप्रूवमेंट है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, चीफ, जीजेयू

जीजेयू में टीचर्स के रिफ्रेशर कोर्स में टीचर्स को सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग दी है। आगे भी टीचर्स को समय-समय पर सॉफ्टवेयर की जानकारी दी जाएगी।

नरेंद्र चौहान, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, जीजेयू, हिसार

जीजेयू की टॉपर रह चुकी छात्रा बनी महिला साइंटिस्ट

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

जीजेयू में बॉटेक विषय में टॉपर रह चुकी सोनिया सिवाच खटखड़ का गवर्नमेंट ऑफ इंडिया मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी में महिला साइंटिस्ट के रूप में चयन हुआ है। वे कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स साइंस से पीएचडी कर रही है।

सीर ऊर्जा में पीएचडी कर रही सोनिया ने देहरादून में दिया था इंटरव्यू

पीएचडी के दौरान ही उनका चयन हुआ है। यह जानकारी देते हुए डीएसपी जितेंद्र खटखड़ ने बताया कि उनकी पत्नी सोनिया सिवाच खटखड़ कुरूक्षेत्र से पीएचडी कर रही है और सौर ऊर्जा पर शोध कर रही है। साइंटिस्ट के लिए उन्होंने तीन चरण में परीक्षा दी। उसके बाद पिछले दिनों देहरादून में साक्षात्कार हुआ। साइंटिस्टों के एक पैनल ने साक्षात्कार लिया और उसके बाद उनका महिला साइंटिस्ट में चयन हुआ। उन्होंने बताया कि वे 2010 में जीजेयू में बॉटेक में टॉपर रह चुकी है। बॉटेक करने के बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से एमटेक की और फिलहाल कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में डॉक्टर विरेंद्र कुण्डू के मार्गदर्शन में पीएचडी कर रही है।

हरिभूमि - 22 जून 2018

दैनिक भास्कर व पाईट के प्रतिभा सम्मान समारोह में 800 स्टूडेंट्स और 40 टीचर्स को कुलपति ने किया सम्मानित

जीजेयू वीसी प्रो. टंकेश्वर के स्टूडेंट्स को सक्सेस मंत्र- रिसर्च, इनोवेशन और क्रिएटिविटी ही दिला सकती है अच्छा कॅरिअर

भास्कर न्यूज | हिसार

दैनिक भास्कर व पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से होटल मिडटाउन ग्रैंड में बुधवार को "प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। समारोह में जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 800 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्टूडेंट्स को कहा कि रिसर्च, इनोवेशन व क्रिएटिविटी से अच्छा कॅरिअर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में 2017-18 में 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ हिसार, हांसी, फतेहाबाद, बरवाला, भिवानी, असंध, कैथल जिलों से आए 40 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में स्टूडेंट्स की कॅरिअर काउंसिलिंग भी की गई। इसमें शहर से पहुंचे विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट ने स्टूडेंट्स को कॅरिअर के टिप्स दिए।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में समाज सेवी प्रवीन जैन, बरवाला पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर प्रकाश चंद्र पूनिया, पाईट के चेयरमैन हरिओम तायल, बीओजी के मेंबर राकेश तायल, मेंबर शुभम तायल, निदेशक डॉ. केके पालीवाल, जन संपर्क अधिकारी ओपी रनोलिया, डायरेक्टर राजेश मिश्रा, प्रो. देवेंदर मोहन, डॉ. निधि सिंघल, अरिंदम भट्टाचार्य, प्रियंका सहगल, संदीप वर्मा, डॉ. अंकुर, शक्ति अरोड़ा, विकास सेठी, राहुल कौशल, राजीव ढांडा, तरुण, मोनिका, राजीव जैन, चनु, पंकज बत्रा, रोहित शर्मा, संदीप अरोड़ा, मंदीप कौर, प्रतिभा और डीजे मनीष जैड मौजूद रहे।

12वीं में 80 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले स्टूडेंट्स को ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र वितरित किए

95 प्रतिशत से अधिक अंक वाले ये स्टूडेंट्स सम्मानित

- चारू 96.8
- रितिका 95.8
- यश 96.4
- रिया 95.6
- निकिता 95.6

दैनिक भास्कर व पाईट कॉलेज की ओर से मिडटाउन ग्रैंड में बुधवार को आयोजित किए गए प्रतिभा सम्मान समारोह में जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व मेधावी छात्राएं ट्रॉफी के साथ।

अपना 100% दें तभी मिलेगी सफलता

प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्टूडेंट्स को सफलता के टिप्स देते हुए बताया कि अपना कॅरिअर अपनी पसंद से चुनें। भारत में इनोवेशन की कमी को देखते हुए ऐसी शिक्षा देनी चाहिए। जिससे वे इनोवेटिव बनें और साथ ही उनके इनोवेटिव आइडियाज को सही दिशा मिल सके। हमारे सपने बड़े होने चाहिए ताकि हम स्वयं तो रोजगार हासिल करें साथ ही औरों के लिए भी रोजगार के मौके उत्पन्न कर सकें। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि जो बच्चे परीक्षा में असफल रहे या जिनके मार्क्स कम आए वो भी निराश न हों और अपनी क्षमता का 100 प्रतिशत दें।

दैनिक भास्कर व पाईट कॉलेज की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में स्टूडेंट्स, शिक्षक व अभिभावक।

काउंसिलिंग में दिए टिप्स

- प्रतिदिन न्यूजपेपर पढ़ना चाहिए। इससे जनरल नॉलेज मिलती है तथा कॅरिअर के लिए ज्यादा अवसर मिलते हैं।
- बॉटेक स्टूडेंट्स टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में अच्छा कॅरिअर बना सकते हैं, क्योंकि टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में काफी डिमांड है। मगर यह कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या काफी कम है। ऐसे में प्लेसमेंट के काफी अधिक चांस है।
- आर्ट्स के बाद सिर्फ बीए ही एकमात्र ऑप्शन नहीं है इसके बाद बीबीए, लिविस्टक, लॉ, टीचिंग जैसे कॅरिअर भी अपना सकते हैं।
- कंप्यूटर साइंस भी ग्रेजुएट्स के लिए अच्छा कॅरिअर है।
- एसबीए अगर टॉप 50 कॉलेज से की जाए तो टॉप कंपनीज में जॉब मिलने के अधिक अवसर रहते हैं।
- अंडर ग्रेजुएशन देश से तथा पोस्ट ग्रेजुएशन विदेश से करें तो भी टॉप कंपनीज में अच्छी जॉब हासिल की जा सकती है।
- ग्रेजुएशन तो हर स्टूडेंट्स को करनी ही चाहिए। क्योंकि करीब सभी कंपीटिशन परीक्षाओं के लिए ग्रेजुएशन जरूरी होती है।
- अपनी पसंद का कॅरिअर चुनने के लिए इंटेग्रेटिड ड्यूल कोर्स की बजाय सिंगल कोर्स को महत्व दें।
- तीन साल की बीएससी की बजाय चार साल की बॉटेक करें तो टेक्नीकल फील्ड में जल्द कॅरिअर बना सकते हैं।

देश व विदेश के बेस्ट 60 टीचर्स जीजेयू में नैनो टेक्नोलॉजी पर स्टूडेंट्स को देंगे टिप्स, वेबकास्टिंग के जरिये लाइव देखेगी दुनिया

ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत 16 से 20 जुलाई तक होगा कोर्स, देश व विदेश से रिसर्च स्कॉलर्स भी करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स को देश और विदेश के बेस्ट टीचर्स से नैनो टेक्नोलॉजी के बारे में सीखने का मौका मिलेगा। एमएचआरडी (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत 16 से 20 जुलाई तक जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सात दिवसीय कोर्स करवा रहा है। इसमें दक्षिण कोरिया सहित देश के सात राज्यों से 60 से अधिक टीचर्स शामिल होंगे।

इस प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश से जीजेयू को ए ग्रेड रैंक के कारण चुना गया है। स्टूडेंट्स को नैनो टेक्नोलॉजी से संबंधित जानकारी देंगे। इसमें वे स्टूडेंट्स को रिसर्च के बारे में व भविष्य में इनकी क्या संभावनाएं हैं, इससे भी परिचित कराएंगे। विदेशों में अपनाए जाने वाले आधुनिक टीचिंग टेक्निक्स के बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दी जाएगी।

वेबपोर्टल से होगी वेबकास्टिंग

ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत जीजेयू में होने वाले सात दिवसीय वर्कशॉप में विभिन्न टॉपिक्स को वेबकास्टिंग के जरिए पूरी दुनिया में लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के वेबपोर्टल के जरिए इस कार्यक्रम की वेबकास्टिंग होगी।

ऐसे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए टीचर्स ज्ञान वेब पोर्टल पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके लिए विवि ने फीस भी निर्धारित की है तो जिसमें इंडस्ट्रीज से जुड़े लोग 10 हजार, इंडियन एकेडमिक इंस्टीट्यूट से जुड़े टीचर्स 2500 रुपए व हॉस्ट डिपार्टमेंट से जुड़े टीचर्स 1000 रुपए में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कार्यक्रम के लिए अब तक 100 से अधिक देश-विदेश से रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं।

यह है उद्देश्य

- लैब में बिना एक्सपिरमेंट किए दवा या अन्य चीजों की डिजाइनिंग के बारे में जानकारी देना।
- नैनो टेक्नोलॉजी की बारीकियों के बारे में जानकारी देना।
- नैनो टेक्नोलॉजी के जरिए केमिस्ट्री से जुड़ी बेसिक चीजों व रिसर्च के बारे में स्टूडेंट्स को अवगत करवाना।
- स्टूडेंट्स को दवा व अन्य सूक्ष्म चीजों की डिजाइन के बारे में कॉरल व फोटोशॉप जैसे सॉफ्टवेयर्स

साउथ कोरिया से रिसर्चर होंगे उपस्थित

साउथ कोरिया में प्रो. डॉ. डोंग कॉन लिम जो केमिस्ट्री के एक्सपर्ट है। वो स्टूडेंट्स को सिंथेटिक ऑर्गेनिक के लिए भी काम कर चुके हैं। जेनरिक दवाओं पर भी रिसर्च कर चुके हैं। उन्हें नैनो साइंस का बेस्ट लेक्चर माना जाता है। उन्होंने नेचर टेक्नोलॉजी, नैनो लेटर, एसीएस नैनो पर भी गहन रिसर्च की है। विवि से डॉ. संदीप कुमार व डॉ. नीरज दिलबागी भी उनके साथ रिसर्च के बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी देंगे।

प्रेक्टिकल एक्सरसाइज से सीखेंगे स्टूडेंट्स

इसमें स्टूडेंट्स को थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल का भी मौका मिलेगा। नैनो टेक्नोलॉजी में इन सिलिकर सिस्टम में किस तरह से इसको यूज कर सकते हैं। बायो सेंसर में कंप्यूटिंग का क्या रोल है। कोर्स में बायोमेडिकल दवा को किस तरह डिजाइन करते हैं, किस तरह से बायो सेंसर डिवेलप करते हैं। सेंसिंग केमिस्ट्री को यूज कैसे करेंगे। मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के जरिए मॉलिक्यूल डिजाइनिंग क्या है, जैसे टॉपिक्स की जानकारी मिलेगी।

रिजल्ट ओरिएंटेड हैं कार्यक्रम

ज्ञान प्रोजेक्ट एक रिजल्ट ओरिएंटेड कार्यक्रम है। इसके तहत कोई एक टीचर जिस टॉपिक को स्टूडेंट्स को सिखाता है। वो एक गारंटी की तरह है, यानि स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट के बारे में 100 प्रतिशत सीख पाते हैं। इसलिए यह एक फोकस प्रोग्राम भी है।"
-प्रो. टंकेश्वर कुमार, बीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर 24-06-2018

ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए 2228 ने दी परीक्षा

जीजेयू में बीएससी के ड्यूल डिग्री कोर्स में दाखिले के लिए कॉमन प्रवेश परीक्षा

जीजेयू में प्रवेश परीक्षा में जांच करते कुलसचिव डॉ. एके पुंडीर।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में बीएससी के ड्यूल डिग्री कोर्स में दाखिले के लिए कॉमन प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2645 विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे जिनमें से 2228 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर व परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

एडमिशन कोर्डिनेटर डॉ. जेबी ढहिया ने बताया कि बीएससी ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा सुबह 11 से साढ़े 12 बजे तक आयोजित की गई। इसमें 2126 विद्यार्थियों ने भाग लिया।प्रवेश परीक्षा के लिए कैंपस के विभिन्न विभागों में 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए। बीएससी ऑनर्स इकोनोमिक्स के दाखिला परीक्षा समन्वयक प्रो. एनके बिश्नोई ने बताया कि बीएससी इकोनोमिक्स ऑनर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा दोपहर 02:30 से 04:00 तक ली गई। इस परीक्षा में 102 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस भवन में परीक्षा केंद्र बनाया गया। परीक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों की वीडियोग्राफी भी करवाई गई।

परीक्षा परिणाम 22 को: एडमिशन कोर्डिनेटर डॉ. जेबी ढहिया ने बताया कि बीएससी ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम 22 जून को घोषित किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा के तहत विद्यार्थी विश्वविद्यालय में चल रहे बीएससी कैमिस्ट्री, बीएससी फिजिक्स, बीएससी मैथमैटिक्स, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के ड्यूल डिग्री कोर्सेज तथा व बीएससी इकोनोमिक्स ऑनर्स में दाखिला ले सकेंगे। प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर दाखिला दिया जाएगा।

दाखिले के लिए पहली काउंसिलिंग 2 जुलाई को: विश्वविद्यालय की ओर से दूसरी काउंसिलिंग 9 जुलाई को तथा तीसरी काउंसिलिंग 21 जुलाई को करवाई जाएगी। बीएससी इकोनोमिक्स ऑनर्स में दाखिले के लिए पहली काउंसिलिंग 3 जुलाई को हरियाणा विश्वविद्यालय द्वारा दूसरी काउंसिलिंग 10 जुलाई को तथा तीसरी काउंसिलिंग 21 जुलाई को करवाई जाएगी।

हेल्प डेस्क से मिली मदद

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. सुजाता सांघी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एनएसएस की ओर से,दो हेल्प डेस्क लगाए गए। जिसमें 25 स्वयं सेवकों ने जानकारी दी।

शिक्षकों के लिए डिजिटल तकनीक जरूरी

जीजेयू में ओरिएंटेशन कोर्स में भाग लेते हुए शिक्षक।

हिसार(ब्यूरो)। जीजेयू कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि डिजिटलाइजेशन वर्तमान समय की मांग है। शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल तकनीक का अधिक से अधिक से प्रयोग किया जाना चाहिए। वर्तमान समय में तकनीक के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहे है इन बदलावों को न केवल स्वीकार किया जाना चाहिए बल्कि इनका बेहतर प्रयोग भी करना चाहिए।

डॉ. अनिल कुमार पुंडीर विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से सूचना एवं संचार तकनीक विषय पर शुरू किए गए 21 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। ऑनलाइन तकनीक के प्रयोग में भारत अभी भी दुनिया के कई देशों से पीछे है। एजुसेट शिक्षा प्रणाली एक अच्छा कदम था लेकिन इसका सही प्रयोग नहीं किया जा सका। जिसका मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व इंटरनेट की सुविधा का प्राप्त न होना भी रहा। किसी भी व्यवस्था की सफलता व असफलता शिक्षकों पर निर्भर करती है।

मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल इंडिया अभियान में अपनी सकारात्मक उपस्थित दर्ज करवाई है। विश्वविद्यालय पेपर लैस कार्यों की तरफ बढ़ रहा है। कोर्स समन्वयक डॉ. अनुराग सांगवान ने बताया कि कार्यक्रम में चण्डीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली व उत्तराखंड सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के कुल 60 शिक्षक भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम चार अलग-अलग चरणों में रखा गया है।

फैसला

स्टूडेंट्स का कम रुझान देख बायो मेडिकल इंजीनियरिंग अब इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में होगा मर्ज

जीजेयू में इसी सत्र से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स शुरू

सुभाष चंद्र | हिसार

प्रथम वर्ष में 60 सीटें होंगी, स्टूडेंट्स औद्योगिक और स्पेस एप्लीकेशंस के बारे में पढ़ सकेंगे

अब जीजेयू में भी स्टूडेंट्स औद्योगिक और स्पेस एप्लीकेशंस के बारे में पढ़ सकेंगे। आधुनिक मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। स्टूडेंट्स का भी इस तरफ काफी रुझान है। स्टूडेंट्स के रुझान को देखते हुए जीजेयू इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स शुरू करने जा रहा है। जीजेयू के एफिलिएटेड कॉलेजों में यह कोर्स पहले ही चल रहा है। इसलिए विवि में भी स्टूडेंट्स की डिमांड को देखते हुए विवि प्रशासन ने कोर्स शुरू करने का फैसला लिया है।

चार साल से कम आवेदन इसलिए एक कोर्स बंद

बायो मेडिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में मर्ज किया जाएगा। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में पिछले चार साल से कम आवेदन आने की वजह से इस कोर्स को बंद कर दिया गया। इस सेशन से बायो मेडिकल इंजीनियरिंग में दाखिले बंद कर दिए हैं। फैकल्टी भी इसी डिपार्टमेंट से ली जाएगी। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स में बीटेक कोर्स शुरू होगा। इसमें प्रथम वर्ष में कुल 60 सीटों पर दाखिले होंगे। इलेक्ट्रिकल इंजीनियर में रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं, ऐसे में आगामी वर्ष में सीटें बढ़ाई जा सकती हैं।

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए साइंस स्ट्रीम से इंटरमीडिएट होना जरूरी है। इसके बाद इस कोर्स में बेचलर डिग्री या फिर उससे आगे मास्टर डिग्री कर सकते हैं। कोर्स में दाखिले बीटेक के अन्य कोर्सेज की तरह ही जेईई की परीक्षा के माध्यम से किए जाएंगे। वहीं उन्नत टेक्नोलॉजी वाले क्षेत्र जैसे सेमी कंडक्टर, नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन नेविगेशन सिस्टम, कंप्यूटर्स एंड डेटा एनालिसिस में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक व एमटेक करने वाले स्टूडेंट्स काम कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में रिसर्च में भी काफी अवसर है। इस कोर्स में इंस्टीट्यूट्स और कंपनियां नए क्षेत्रों में रिसर्च के लिए निवेश भी कर रहे हैं।

टीचर्स की आठ पोस्ट हुई सेंक्शन, इंटरव्यू 29 को

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शुरू करने के लिए विवि को आठ टीचर्स की पोस्टों की सेंक्शन मिली हैं। विवि ने गवर्नमेंट से कोर्स शुरू करने के लिए पोस्टों की अनुमति मांगी थी। अनुमति मिल चुकी हैं। 29 जून को टीचर्स के लिए इंटरव्यू होंगे।

गवर्नमेंट से पोस्टों की सेंक्शन मिल गई है। फिजिक्स, केमिस्ट्री में प्रथम वर्ष में सिलेबस एक जैसा ही रहता है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की लैब भी डिवेलप की जाएगी।
प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर 25-6-18

गुजवि के 3 एनएसएस स्वयंसेवक जाएंगे चीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के 3 स्वयंसेवक भारत-चीन संस्कृति के आदान-प्रदान में अपनी भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने तीनों स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक अनुप्रिया धीमान, ललित व रजत भारत-चीन संस्कृति के आदान-प्रदान कार्यक्रम के भारतीय दल में शामिल हुए है।

- भारत-चीन संस्कृति के आदान-प्रदान में निभाएंगे अपनी भूमिका

यह दल 2 जुलाई से चीन के बिजिंग, शंघाई, वुहान कनमिंग और गुआंगजाऊ जाएगा तथा चीन में भारतीय सभ्यता व संस्कारों का प्रदर्शन करेगा। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सच्ची लग्न, मेहनत व ईमानदारी से कार्य कर रहे है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर हुई परेड में विश्वविद्यालय की स्वयंसेविका अनुप्रिया धीमान द्वारा एनएसएस दल का नेतृत्व किया गया तथा 5 अन्य स्वयंसेवक ललित, रजत, मनदीप, रिंकू तथा मुनीष परेड में शामिल हुए थे। मंगलवार को सभी स्वयंसेवक एनएसएस समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति से मिले।

इस अवसर पर एसवीसी मुकेश कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल भानखंड, डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. सुमन दहिया, डॉ. विजय पाल आदि अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

हिसार। गुजवि प्रौवि में स्वयंसेवकों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार साथ में समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी।

हरिभूमि - 27 जून 2018